



मैसूर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह एक कार्यक्रम में शिरकत करते हुए।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एकशन इंडिया

वर्ष: 13 अंक: 42 पृष्ठ: 12



actionindiauna@gmail.com

हिमाचल संस्करण

RNI : HPHIN/2012/48072



ऐतिहासिक अन्यायों को सुधारने के लिए विविधता और प्रतिनिधित्व जरूरी: चंद्रचूड़

टीम एकशन इंडिया/नई दिल्ली
भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवार्ड चंद्रचूड़ ने शिनिवार को कहा कि विविधता और प्रतिनिधित्व न केवल ऐतिहासिक अन्याय को सुधारने के लिए, बल्कि अदालतों की नियंत्रण लेने की क्षमता को समझ करने के लिए भी महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के समक्ष उभयते प्रतिनिधित्व ने इसके ऐतिहासिक रूप से मोरोक्कोवरल और यूरोपियन इंडिकोण को विशेष रूप से चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि इन्हीं तरह अदालतों के भीतर लैंगिक विविधता को एकीकृत

करने से इंडिकोण का दायरा काफी हद तक व्यापक हो जाएगा, जिससे अधिक व्यापक और न्यायसंगत फैसले हो सकेंगे।

न्यायाधीश हिन्दी चाल्सर्वर्थ का किया स्वागत वह 28 जनवरी 1950 को सुप्रीम कोर्ट की पहली बैठक को चिह्नित करने के लिए आयोजित दूसरी वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला को संवेदित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद अंतरराष्ट्रीय न्यायालय की न्यायाधीश हिलेरी चा लेसर्वर्थ का स्वागत किया। उन्होंने

इस बात पर जोर दिया कि शोषण अदालत ने अपने प्रावधानों को लैंगिक समावेशी बनाने में प्रगति की है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने लंगीजीवीकृत्याइए लूस समुदाय पर न्यायपालिका के लिए एक संबंधिकरण माइक्रोल जारी किया, जिसका उद्देश्य न्यायपालिका के सदस्यों को लिंग और यौन विविधता की अवधारणाओं, उचित शब्दावली के उपयोग के बारे में संवेदनशील बनाना है।

12 महिलाओं को वरिष्ठ वकील की उपाधि से किया सम्मानित

साथ ही समलैंगिक समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत करने से समय अदालत ने अपने प्रावधानों को लैंगिक समावेशी करता है। उन्होंने कहा कि इसी तरह, शोषण अदालत ने पिछले साल लैंगिक रुद्धिवादिता से निपटने के लिए एक हैंडबुक जारी की थी। यह सुनिश्चित करने के प्रयास में कि न्यायाधीश समावेशी भाषा का उपयोग करें और नियंत्रण लेने में जानवृत्तक रुद्धिवादिता के उपयोग से बचें। 2024 से पहले सुप्रीम कोर्ट के पौर इतिहास में केवल 12 महिलाओं को वरिष्ठ वकील की उपाधि से सम्मानित

किया गया था। हालांकि, हाल ही में एक महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने देश में के विभिन्न क्षेत्रों से अनेक वाली लैंगिक वार्षिक व्याख्यानों को इस पट के लिए नामित किया है। वह सुप्रीम कोर्ट परिसर में द इंटरनेशनल कोर्ट और जस्टिस ए लीगल फोरम इन ए पलिटिकल एनवर्कर्स में विषय पर दूसरा वार्षिक व्याख्यान दे रही थीं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में न्यायिक स्वतंत्रता का उद्देश्य किसी भी गैर-कानूनी विचार को खत्म करना है, जो न्यायाधीश के तर्क के प्रभावित कर सकता है।

370 सीटें ला रही भाजपा: पीएम

आदिवासी समाज के उत्थान और सम्मान के लिए समर्पित रही सरकार: पीएम नरेंद्र मोदी

दावा

8 हमारी सरकार आदिवासी समाज के उत्थान, गौरव और सम्मान के लिए समर्पित रही है।

टीम एकशन इंडिया/इंदौर
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ज्ञावूआ में आयोजित जनजातीय महासभा में 7550 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए लोकार्पण किया एवं टट्टा माया भूल विश्व न्यायालय के स्थापना की घोषणा की। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पीएम मोदी का अभिनन्दन कर प्रदेश के जनता की तरफ से विकास की सैरांगों के लिए आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय कार्यक्रम में प्रशान्तमंत्री नरेंद्र मोदी का आना केवल हम सब के लिए नहीं बल्कि पूरे देश के लिए सौभाग्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए जनजातीय समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया।

RBI के डिप्टी गवर्नर ने चेताया, कहा- AI से पैदा होने वाले खतरों से बचें रहें बैंक

नई दिल्ली (एजेंसी) बैंकिंग क्षेत्र और इससे जुड़े लोगों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से पैदा होने वाले कानूनी, साइबर जीवितों और कौशल की कमी जैसे जीवितों के प्रति सचेत रहना चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी रवि शंकर ने शुक्रवार का यह बताते कहा। उन्होंने कहा कि एआई और जीवितों को अपनाने के साथ कानूनी को फिर से परिवर्तित किया जाना है।



उद्योग को यह ध्यान देना चाहिए कि डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (ट्रीपीडी) अधिनियम के नियम जल्द ही आने वाले हैं और लोग सकता है कि बैंक इनमें से कुछ का उपयोग कर दें। उन्होंने मुख्य में भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के द्वारा आयोजित 19वें बैंकिंग प्रौद्योगिक सम्मेलन में कहा कि बैंकों को ग्राहक सुविधा के बारे में सोचने और उपर्युक्त अनुसार सेवाएं देने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा, हम जब नियम बनाते हैं, तो हम इसे ग्राहकों के लिए सुविधाजनक बनाने के बारे में सोचना चाहिए और उसमें लगातार सुधार करना चाहिए। शंकर ने कहा कि हर नई तकनीक ने कहुं नैकरिक खाल की है लैकिन नई नैकरिक पैदा होने की है। ऐसे में बैंकिंग को प्रशिक्षित करने की ज़रूरत है।

डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में आया उछाल, नौजूदा वित्तीय वर्ष में 15.60 लाख करोड़ रुपये हुए इकट्ठा

नई दिल्ली (एजेंसी) वित्तीय वर्ष 2024 में डायरेक्ट टैक्स (प्रत्यक्ष कर) कलेक्शन में 20 फीसदी का उछाल आया है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में यह 15.60 लाख करोड़ रुपये हो, जो कि सरकार के पूरे वित्तीय वर्ष के संशोधित अनुमान का 80 फीसदी है। नौजूदीटी ने एक बयान जारी कर बताया कि डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में मजबूत कुदूद देखी जा रही है। डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 10 फरवरी 2024 तक 18.38 लाख करोड़ रुपये हो, जो कि बौते साल के कलेक्शन से 17.30 फीसदी ज्यादा है।

डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन से नेट रिफंड को हटा दें तो ये 15.60 लाख करोड़ रुपये हैं, जो कि पिछले साल के नेट



कलेक्शन से 20.25 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए ये कलेक्शन सरकार के डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन के संशोधित अनुमान का 80.23 फीसदी है। 1 अप्रैल 2023 से लेकर 10 फरवरी 2024 तक 2.77 लाख करोड़ रुपये रिकॉर्ड दिए गए हैं। नौजूदीटी ने बताया कि कॉर्पोरेट इनकम टैक्स और पर्सनल इनकम टैक्स में भी कुदूद हुई है। नौजूदीटी के अनुसार, कॉर्पोरेट इनकम टैक्स में 9.16 प्रतिशत और पर्सनल इनकम टैक्स में 25.67 प्रतिशत की कुदूद हुई है। रिफंड को एडजस्ट करने के बाद यह कुदूद क्रमशः 13.57 प्रतिशत और 26.91 प्रतिशत है।

लहसुन की कीमतों में भारी उछाल, 500 रुपए प्रति किलो पहुंची कीमत

नई दिल्ली (एजेंसी) देशभर में लहसुन की कीमत में भारी उछाल देखने को मिल रहा है। कुछ दिन पहले तक दिल्ली में 100 से 150 रुपये, किलो तक बढ़कर बाता लहसुन आज 450 से 500 रुपये, किलो में बढ़ रहा है। इससे आम आदमी के घर का बजट भी चिंगाड़ चुका है। साथ ही किसान भी अपने आप को टगा महसूस कर रहे हैं।

किसानों से काफी सस्ती कीमत पर व्यापारियों ने खरीदा लहसुन।

नई दिल्ली (एजेंसी) 40 से 50 रुपए की दर से व्यापारियों को लहसुन बेची भी लैकिन कैसे लहसुन की कीमतें बढ़कर हो रही हैं, उन्हें भी समझ में नहीं आ रही है। अगले 50 रुपए के लिए व्यापारियों से भी अंदराजा लहसुन जाए तो टामोरेंस कास्ट को जोड़ कर इसकी लागत 80 रुपए के असाधारण बैंडों है, जिसे मुनाफा जोड़ कर 125 से 150 रुपये, किलो तक में व्यक्ति चाहिए। लैकिन लहसुन की व्यापारिक कीमत इतनी होकर सहे चार सौ से 500 रुपए किलो तक हो गई है। जिसे किसानों के मुनाफा जोड़ कर 225 से 250 रुपये, किलो तक में व्यक्ति चाहिए।



पिछले 3 साल से 5 से 10 रुपए, विलों के लहसुन से बीचे व्यापारियों को लहसुन दे रहे हैं, या फिर पहुंचों को खिलाफ लहसुन पड़ा है और अगले महीने नई पहल कीमत भी आ जाएगी। बाबजूद इसके लहसुन की कीमत बेतामां है और इसका कारण कहीं न कहीं किलो को दर्शा कर मुनाफाखोरी करना है।

लहसुन की अच्छी पैदावार

बताते लहसुन की कीमत हुई रहना चाहिए।

दिल्ली के दो सबसे बड़े मंडी के अनुसार विविध कीमतों पर व्यक्ति रही

आजमारुप और ओडलाव के लहसुन

व्यापारियों का कहना है कि मांग के

अनुसार लहसुन की आपूर्ति नहीं हो रही है, यही बजह है कि अपने लहसुन की बड़ी कीमतों से न बेतामां खुदरा व्यापार अधिक थोक व्यापारी ही परे पर्याप्त है। उन्हें उम्मीद है कि आगे माहीने लहसुन की नई फसल आने के बाद इसमें किलो को दर्शा कर मुनाफाखोरी करना है।

खुदरा में लहसुन की कीमत

बताते लहसुन की कीमत हुई रहना चाहिए।

दिल्ली के दो सबसे बड़े मंडी के अनुसार विविध कीमतों पर व्यक्ति रही

आजमारुप और ओडलाव के लहसुन

व्यापारियों का कहना है कि मांग के

अनुसार लहसुन की आपूर्ति नहीं हो रही है, यही बजह है कि अपने लहसुन की बड़ी कीमतों से न बेतामां खुदरा व्यापार अधिक थोक व्यापारी ही परे पर्याप्त है। उन्हें उम्मीद है कि आगे माहीने लहसुन की नई फसल आने के बाद इसमें किलो को दर्शा कर मुनाफाखोरी करना है।

खुदरा में लहसुन की कीमत

बताते लहसुन की कीमत हुई रहना चाहिए।

दिल्ली के दो सबसे बड़े मंडी के अनुसार विविध कीमतों पर व्यक्ति रही

आजमारुप और ओडलाव के लहसुन

व्यापारियों का कहना है कि मांग के

अनुसार लहसुन की आपूर्ति नहीं हो रही है, यही बजह है कि अपने लहसुन की बड़ी कीमतों से न बेतामां खुदरा व्यापार अधिक थोक व्यापारी ही परे पर्याप्त है। उन्हें उम्मीद है कि आगे माहीने लहसुन की नई फसल आने के बाद इसमें किलो को दर्शा कर मुनाफाखोरी करना है।

खुदरा में लहसुन की कीमत

बताते लहसुन की कीमत हुई रहना चाहिए।

दिल्ली के दो सबसे बड़े मंडी के अनुसार विविध कीमतों पर व्यक्ति रही

आजमारुप और ओडलाव के लहसुन

व्यापारियों का कहना है कि मांग के

अनुसार लहसुन की आपूर्ति नहीं हो रही है, यही बजह है कि अपने लहसुन की बड़ी कीमतों से न बेतामां खुदरा व्यापार अधिक थोक व्यापारी ही परे पर्याप्त है। उन्हें उम्मीद है कि आगे माहीने लहसुन की नई फसल आने के बाद इसमें किलो को दर्शा कर मुनाफाखोरी करना है।

खुदरा में लहसुन की कीमत

बताते लहसुन की कीमत हुई रहना चाहिए।

दिल्ली के दो सबसे बड़े मंडी के अनुसार विविध कीमतों पर व्यक्ति रही

आजमारुप और ओडलाव के लहसुन

व्यापारियों का कहना है कि मांग के

अनुसार लहसुन की आपूर्ति नहीं हो रही है, यही बजह है कि अपने लहसुन की बड़ी कीमतों से न बेतामां खुदरा व्यापार अधिक थोक व्यापारी ही परे पर्याप्त है। उन्हें उम्मीद है कि आगे माहीने लहसुन की नई फसल आने के बाद इसमें किलो को दर्शा कर मुनाफाखोरी करना है।

खुदरा में लहसुन की कीमत

बताते लहसुन की कीमत हुई रहना चाहिए।

दिल्ली के दो सबसे बड़े मंडी के अनुसार विविध कीमतों पर व्यक्ति रही

आजमारुप और ओडलाव के लहसुन

व्यापारियों का कहना है कि मांग के

अनुसार लहसुन की आपूर्ति नहीं हो रही है, यही बजह है कि अपने लहसुन की बड़ी कीमतों से न बेतामां खुदरा व्यापार अधिक थोक व्यापारी ही परे पर्याप्त है। उन्हें उम्मीद है कि आगे माहीने लहसुन की नई फसल आने के बाद इसमें किलो को दर्शा कर मुनाफाखोरी करना है।

खुदरा में लहसुन की कीमत

बताते लहसुन की कीमत हुई रहना चाहिए।

द

